तर्ज--रिमझिम गिरे सावन

पिया तेरी ये दुल्हन, रह न सके तेरे बिन
रहे याद हर पल तेरी, तेरा है ये तन मन

1--तन ये तुम्हारा पिया, मन भी तुम्हारा
जो कुछ है पास मेरे, सब कुछ तुम्हारा
तू ही बसा दिल मे, कुछ भी न तेरे बिन

2--ना दूर तुम से, पास तुम्हारे
हम तन है तेरे , धनी तुम हमारे
मेरा तेरा सम्बन्ध तो है, मूल वतन

3--तुझे गर जुदा कहूं, तो कहा नही जाए
एक कहूं तो ना , कहनी मे आए
देखूं तेरी वाहेदत तो कुछ नही तेरे बिन

Nijanand App